भूआकृतिक मानचित्र / स्थलाकृतिक मानचित्र
Topographical Map

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

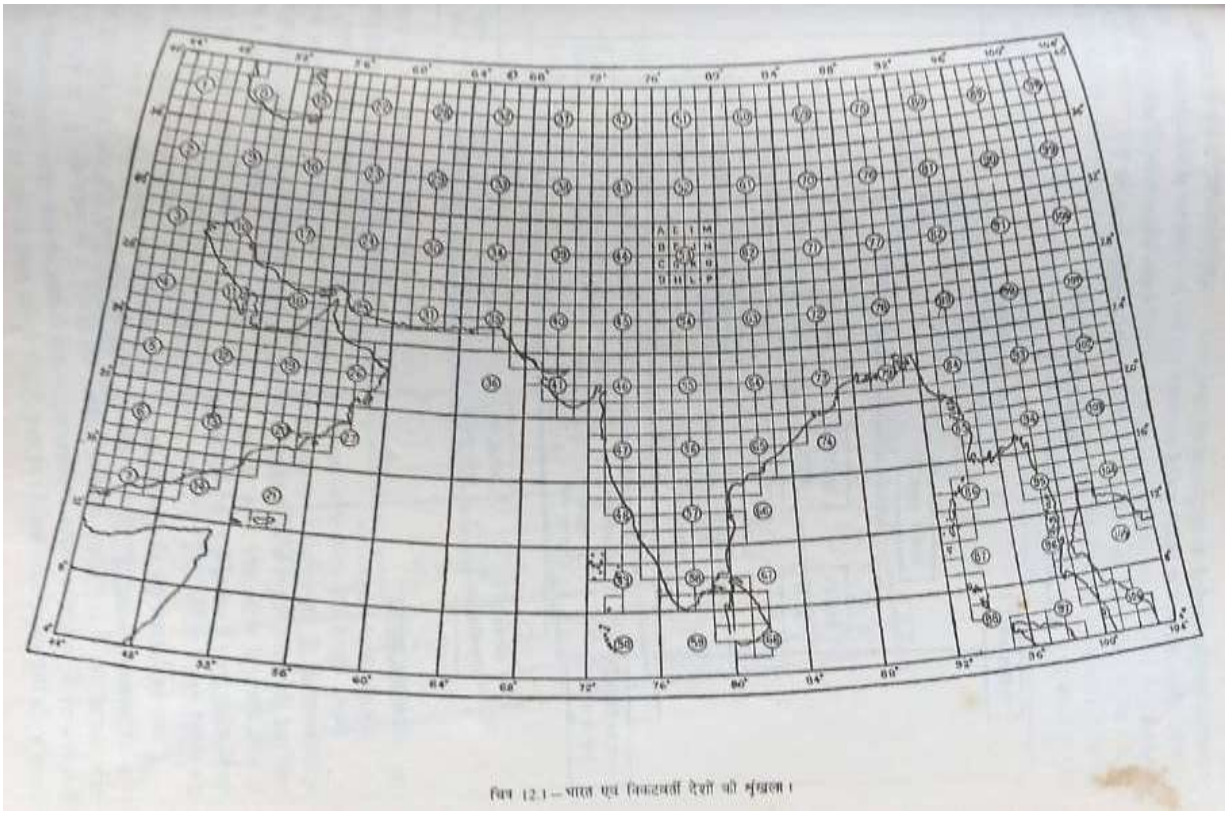

चित्र स्रोत: प्रायोगिक भूगोल: जे पी शर्मा

1. **चौथाई इंच प्रति मील श्रृंखला**: इस श्रृंखला के मानचित्र का मापक 1/4 इंच : 1 मील अथवा 1": 4 मील अर्थात 1:2,53,440 होता है I प्रत्येक 1:10,00,000 स्थलाकृतिक मानचित्र को 16 बराबर भागों में बांटकर अंग्रेजी के अक्षर A से P तक जैसे 63A, 63B, 63C..... आदि लिख दिए जाते हैं I इनका अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार 1° होता है I अतः इसे Degree Sheet के नाम से पुकारा जाता है I इन पत्रको का नवीन संस्करण मीट्रिक प्रणाली में छापा गया है जो 1:2,50,000 पर है I इसमें समोच्च रेखाओं का अंतराल 100 मीटर है I
2. **आधा इंच प्रति मील श्रृंखला**: प्रत्येक चौथाई इंच पत्र को दिशा के अनुसार चार बराबर भागों में बांटकर यह श्रृंखला बनाई गई है I इसमें पत्रको की सूची संख्या भी दिशा के अनुसार ही होती है I जैसे 63 K/NE, 63 K/NW, 63 K/SE, 63 K/SW I प्रत्येक पत्रक का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार 30' अर्थात आधा डिग्री होता है I इसलिए इसे आधा डिग्री पत्रक या Half Degree Sheet भी कहते हैं I इसका मापक ½ इंच: 1 मील अथवा 1": 2 मील अर्थात 1:1,26,720 होता है I अतः इस श्रृंखला के पत्रक आधा इंच पत्रक (Half inch sheet) भी कहलाते हैं I मीट्रिक प्रणाली में इन पत्रको का मापक 1:1,00,000 रखा गया है I

3. **एक इंच प्रति मील श्रृंखला**: इस श्रृंखला के पत्रक 1 इंच: 1 मील के मापक पर बनाए गए हैं । इसलिए इन्हें 1 इंच पत्रक भी कहते हैं । यह श्रृंखला प्रत्येक डिग्री पत्रक को 16 बराबर भागों में बांट कर तैयार की गई है । अतः इनकी सूची संख्या 63K/1, 63K/2, 63K/3,……..63K/16 होती है । इन का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार 15' मिनट होता है । इनमें समोच्च रेखाओं का अंतराल 50 फुट होता है । नवीन मीट्रिक प्रणाली में इनका मापक 1:50,000 तथा समोच्च रेखाओं का अंतराल 20 मीटर है । यह सभी श्रृंखलाओं से अधिक लोकप्रिय है ।
4. **1:25,000 श्रृंखला**: मीट्रिक प्रणाली के अंतर्गत प्रकाशित होने वाली यह नवीनतम श्रृंखला है । प्रत्येक 1: 50,000 मापक वाले पत्रक को आगे 6 बराबर भागों में बांटा जाता है । इन पर क्रमशः 1,2,3,4,5,6 की संख्या अंकित की जाती है । प्रत्येक भाग 5' मिनट अक्षांशीय तथा 7½' मिनट देशांतरीय विस्तार वाले क्षेत्र को प्रदर्शित करता है । प्रत्येक भाग को कमश: 63K/12/1, 63K/12/2……63K/12/6 से संबोधित किया जाता है ।

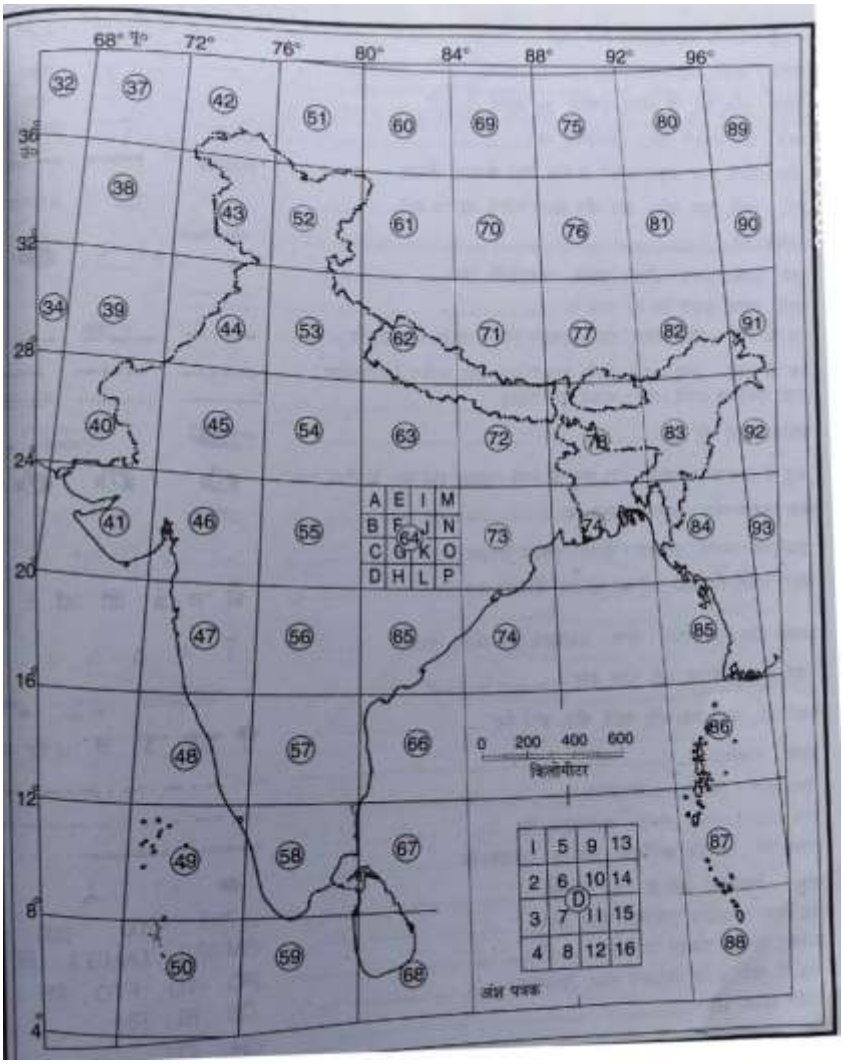

चित्र स्रोत: सरस्वती भूगोल: डी आर खुल्लर

भारतीय सर्वेक्षण विभाग मैं इस श्रृंखला का प्रकाशन 1990 में बंद कर दिया और इसके स्थान पर इससे मिलती-जुलती श्रृंखला का प्रकाशन आरंभ किया । इसकी रचना 1:50,000 मापक वाली श्रृंखला को चार बराबर भागों में बांट कर की गई है । यह विभाजन दिशा के अनुसार किया गया है । इस श्रृंखला में पत्रको की संख्या 63K/1/NW, 63K/1/NE, 63K/1/SW तथा 63K/1/SE होती है । प्रत्येक पत्रक का विस्तार 7½' अक्षांश तथा 7½' मिनट देशांतर होता है ।

****

सन्दर्भ: प्रायोगिक भूगोल: जे पी शर्मा, सरस्वती भूगोल: डी आर खुल्लर

****